Look n Learn
Children's Jain E-book

Serial No. 20

The knowledge of 32 Aagams in your phone

Inspired by Rashtrasant Param Gurudev Shree Namramuni Maharaj Saheb

अरिहंत

सिद्ध

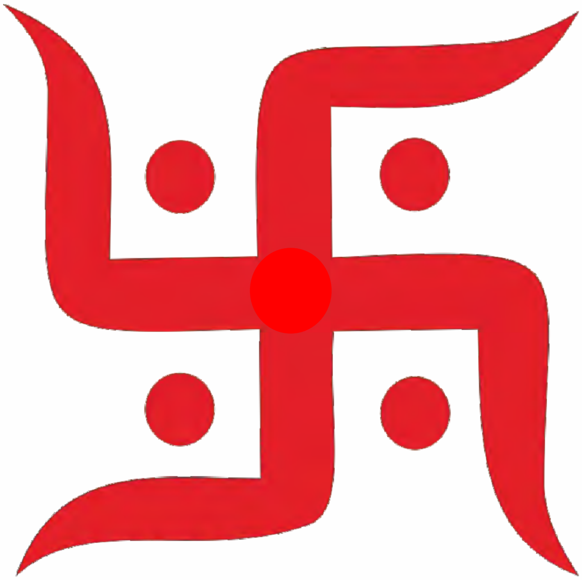

साधु

धर्म

मांगलिक
अर्थात्... मंगलकारी कौन है?

स्वंय आत्म का कल्याण करनेवाले

और दुसरों को भी आत्म कल्याण

का मार्ग दिखाने वाले

अरिहंत भगवान,

सिध्ध भगवान,

साधु-साध्वीजी और

केवली भगवंत

ने बताया हुआ धर्म मंगल है।

मांगलिक का समय?

मांगलिक कहने या सुनने के लीए कोई भी समय नीर्धारीत नहीं है।
सिर्फ जब मांगलिक सुनते हो तब नीचे की बातों को ध्यान में रखना चाहिए।

- मांगलिक सुनने समय खडे रहना चाहिए।
- दोनो हाथ भावपूर्वक जोड़कर खड़े रहना चाहिए।
- आस पास खड़े लोगों से बाते नहीं करनी चाहिए।
- ध्यान आजु बाजु नहीं देना चाहिए।
- अपना समस्त ध्यान पूज्य संत सतीजी या गुरुदेव पर केंद्रित करना चाहिए।
- मांगलिक सुनते समय अहोभाव प्रगट करना चाहिए।
- संपूर्ण मौन रहना चाहिए।
- सुदेव, सुगुरु के प्रति अहोभाव प्रगट करना चाहिए।
- हम परमात्मा का शरण स्वीकार कर रहे है वैसे उच्च भाव प्रगट होने चाहिए।
- गुरु मुख से नीकलते एक एक शब्द हमें हमारे कान से अंतर तक उतारने चाहिए। हमें अपना संपूर्ण अस्तित्व चार्ज करना है, ऐसे मंगल भाव और विचारे धारण करने चाहिए।

मांगलिक कब कहना चाहिए?

When is the auspicious Manglik recited?

- On a new beginning.
- जब कोई शुभ कार्य शुरु करना हो तब।
- Before an exam.
- जब कोई परीक्षा देने जाए।

- To welcome the new year.
- जब हम नए साल का स्वागत या साल की शरूआत करे।
- When one travels for any purpose locally or abroad.
- जब शहर के बाहर जाए या विदेश पढ़ने जाए।

- In the new house.
- जब हमें नया घर लेना हो।
- In gratitude for our achieved results.
- जब Result लेने जाए।

- On our birthday.
- अपने जन्मदिन पर।
- When we go for an interview or on the first day of new job.
- Interview देने जाते समय या नौकरी के पहले दिन।

Success Mantra is Manglik

benefits

- जैसे लेझर किरणें पेटमें पथरी हो तो उस पथरी का चूरा कर देती है... वैसे ही मांगलिक लेझर किरणों जैसा काम करता है, Negativity को तोड़कर positive energy का चक्र बनाता है।
- मांगलिक नीचगोत्र, अंतराय कर्म, मोहनीय कर्म, दर्शनावरणीय कर्म, ज्ञानावरणीय कर्म, अहम् का क्षय करता है।
- Just as a laser beam breaks down the kidney stone intominor particles, Mangalik breaks down our negativity and encircles us with positive energy.
- Mangalik helps us to destroy our, Nich Gotra (lower status of birth), Antaray karma (Obstruction karma), Monhaniya karma (Deluding karma) Darshanavarniya karma (Vision obscuring karma) Gnanavaraniya karma (Knowledge obscuring karma and ego).